स्वदेश दर्शन योजना

प्रलिम्सि के लयि:

स्वदेश दर्शन योजना, PRASAD, आत्मनरि्भर भारत

मेन्स के लयि:

आत्मनरि्भर भारत, पर्यटन क्षेत्र।

हाल ही में पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (SD2.0) के रूप में संशोधति कयिा है, जसिका उद्देश्य गंतव्यों पर स्थायी और ज़म्मिेदार बुनयिादी ढाँचा वकिसति करना है।

स्वदेश दर्शन योजना:

- **परचिय:**
  - इसे वर्ष 2014-15 में देश में थीम आधारति पर्यटन सर्कटि के एकीकृत वकिास के लयि शुरू कयिा गया था। इस योजना के तहत पंद्रह वषियगत सर्कटिों की पहचान की गई है- बौद्ध सर्कटि, तटीय सर्कटि, डेज़र्ट सर्कटि, इको सर्कटि, हेरटिेज सर्कटि, हमिालयन सर्कटि, कृष्णा सर्कटि, नॉर्थ ईस्ट सर्कटि, रामायण सर्कटि, ग्रामीण सर्कटि, आध्यात्मकि सर्कटि, सूफी सर्कटि, तीर्थंकर सर्कटि, जनजातीय सर्कटि, वन्यजीव सर्कटि।
  - यह केंद्र द्वारा 100% वत्तिपोषति है और केंद्र एवं राज्य सरकारों की अन्य योजनाओं के साथ अभसिरण हेतु तथा केंद्रीय सार्वजनकि क्षेत्र के उपक्रमों और कॉर्पोरेट क्षेत्र की कॉर्पोरेट सामाजकि ज़म्मिेदारी (CSR) पहल के लयि उपलब्ध स्वैच्छकि वत्तिपोषण का लाभ उठाने के प्रयास कयि जाते हैं।
- **महत्त्व:**
  - स्वदेश दर्शन और PRASAD (तीर्थयात्रा कायाकल्प एवं आध्यात्मकि, वरिासत संवर्द्धन अभयिान) योजनाओं के तहत पर्यटन मंत्रालय पर्यटन के बुनयिादी ढाँचे के वकिास के लयि राज्यों तथा केंद्रशासति प्रदेशों को वत्तिीय सहायता प्रदान की जाती है।
  - इस योजना के तहत परयिोजनाओं नधियिों की उपलब्धता, वसि्तृत परयिोजना रपिोर्ट प्रस्तुत करने, योजना दशिा-नरि्देशों का पालन करने और पूर्व में जारी धन के उपयोग के अधीन स्वीकृत कयिा जाता है।
- **उद्देश्य:**
  - पर्यटन को आर्थकि वकिास और रोज़गार सृजन के प्रमुख इंजन के रूप में स्थापति करना।
  - नयिोजति और प्राथमकिता के आधार पर पर्यटन क्षमता वाले सर्कटि वकिसति करना।
  - पहचान कयि गए क्षेत्रों में आजीवकिा उत्पन्न करने के लयि देश के सांस्कृतकि और वरिासत मूल्य को बढ़ावा देना।
  - सर्कटि/गंतव्यों में वशि्व स्तरीय स्थायी बुनयिादी ढाँचे को वकिसति करके पर्यटकों के आकर्षण को बढ़ाना।
  - समुदाय आधारति वकिास और गरीब समर्थक पर्यटन दृष्टकिोण का पालन करना।
  - आय के **बढ़ते स्रोतों, बेहतर जीवन स्तर और क्षेत्र के समग्र वकिास के संदर्भ में स्थानीय समुदायों में पर्यटन के संदर्भ में जागरूकता बढ़ाना।**
  - उपलब्ध बुनयिादी ढाँचे, राष्ट्रीय संस्कृति और देश भर में प्रत्येक क्षेत्र के वशिष्टि स्थलों के संदर्भ में वषिय-आधारति सर्कटिों के वकिास की संभावनाओं एवं लाभों का पूरा उपयोग करना।
  - आगंतुक अनुभव/संतुष्टि को बढ़ाने के लयि पर्यटक सुवधिा सेवाओं का वकिास करना।

स्वदेश दर्शन योजना 2.0:

- 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र के साथ स्वदेश दर्शन 2.0 नामक नई योजना का उद्देश्य पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत की पूरी क्षमता को साकार कर "आत्मनरि्भर भारत" के लक्ष्य को प्राप्त करना है।
- स्वदेश दर्शन 2.0 एक वृद्धशिील परविर्तन नहीं है, बल्कि स्थायी और ज़म्मिेदार पर्यटन स्थलों को वकिसति करने के लयि स्वदेश दर्शन योजना को एक समग्र मशिन के रूप में वकिसति करने हेतु पीढ़ीगत बदलाव है।
- यह पर्यटन स्थलों के सामान्य और वषिय-वशिष्टि वकिास के लयि बेंचमार्क एवं मानकों के वकिास को प्रोत्साहति करेगी ताकि राज्य परयिोजनाओं की

योजना तैयार करने एवं विकास करते समय बेंचमार्क तथा मानकों का पालन किया जा सके।

- योजना के तहत पर्यटन क्षेत्र के लिये निम्नलिखित प्रमुख विषयों की पहचान की गई है।
  - संस्कृति और विरासत
  - साहसिक पर्यटन
  - पारिस्थितिकी पर्यटन
  - कल्याण पर्यटन
  - एमआईसीई पर्यटन
  - ग्रामीण पर्यटन
  - तटीय पर्यटन
  - परिभ्रमण- महासागर और अंतर्देशीय।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/swadesh-darshan-scheme-1